सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

जिद...सच की

● वर्षः 9 ● अंकः 15 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 16 फरवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

बिना न्याय के ज्ञान को बुद्धिमानी नहीं चालाकी कहा जाना चाहिए

-प्लेटो

लोकसभा में पीएम पर की गई टिप्पणी... 7 | विस्फोट से लेकर टीपू तक की दक्षिण... 3 | बेरहम और अमानवीय हो गई है... 2

मारपीट के बीच त्रिपुरा में लोगों ने डाले वोट

» सीपीआई समर्थक को पीटकर किया घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अगरतला। त्रिपुरा में 60 सीटों वाली विधानसभा के लिए मतदान शुरू हो गया है। दोपहर के बाद वोटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है। उधर कुछ स्थानों पर छिटपुट झड़प की घटनाएं हुई हैं। एक मतदान केंद्र के बाहर सीपीआई के समर्थकों को दूसरी पार्टी के लोगों ने पिटाई कर दी। हालांकि शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग ने पुखता बंदोबस्त कर रखे हैं। कड़ी सुरक्षा के बीच 3,337 मतदान केंद्रों पर आज सुबह सात बजे से मतदान होना शुरू हो गया है जो शाम चार बजे तक होगा। चुनाव में मुख्य रूप से भाजपा, आइपीएफटी गठबंधन, माकपा, कांग्रेस गठबंधन और पूर्वोत्तर राज्य के पूर्व शाही परिवार के वंशज द्वारा गठित एक क्षेत्रीय पार्टी टिपरा मोथा हैं। वोटों की गिनती 2 मार्च को होगी।

टिपरा मोथा ने बढ़ाई बीजेपी की टेंशन!

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। प्रदेश की सभी 60 सीटों पर आज वोट डाले जा रहे हैं। त्रिपुरा में नई पार्टी टिपरा मोथा के चुनावी मैदान में उतरने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

कलाचेरा मतदान केंद्र के बाहर एक भाकपा समर्थक को किया घायल

दक्षिण त्रिपुरा के एसपी ने जानकारी देते हुए कहा कि के 36-शांतिरबाजार निर्वाचन क्षेत्र में कलाचेरा मतदान केंद्र के बाहर एक भाकपा समर्थक की पिटाई हो गई। उन्हें हमारे अधिकारियों द्वारा अस्पताल ले जाया गया है। शांतिबाजार थाने में स्वतः संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। हम जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार करेंगे।

उधर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू त्रिपुरा ने त्रिपुरा के सभी लोगों को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सक्रि य भागीदारी के साथ हमारे सफल लोकतंत्र का जश्न मनाएं। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि त्रिपुरा के लोग बदलाव के लिए एकजुट हैं। सभी से विशेषकर युवाओं से अपील है कि बाहर निकलें और लोकतंत्र के उत्सव में भाग लें और शांति और प्रगति के लिए मतदान करें। बिना डरे मतदान करें।

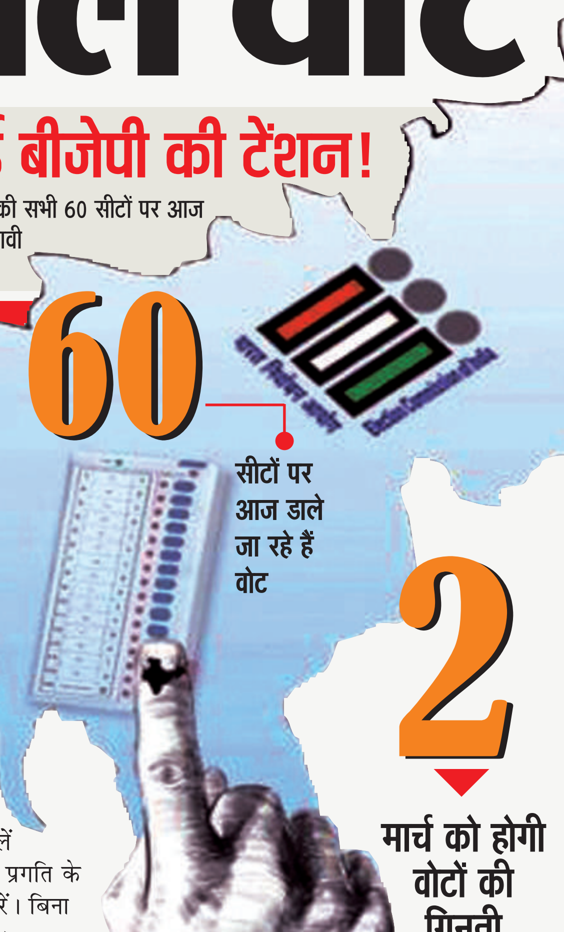

भाजपा ने मतदान के दौरान की बदमाशी : माणिक सरकार

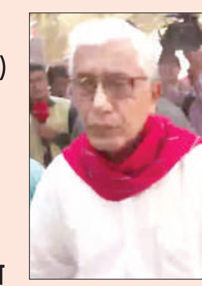

त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता और सीपीआई (एम) नेता माणिक सरकार ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा है कि हमें जानकारी मिल रही है कि कुछ जगह भाजपा के कुछ बदमाश मतदान के दौरान परेशानी पैदा करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, जिससे मतदाता निडरता से अपना वोट न डाल सकें। कुछ जगह पर मतदाता सड़कों पर प्रदर्शन भी कर रहे हैं।

बीजेपी एक बार फिर बहुमत के साथ बनाएगी सरकार : बिप्लब देब

भाजपा के बिप्लब कुमार देब ने कहा कि त्रिपुरा लंबे समय तक अंधेरे में रहा। आज युवा आशावान है, महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान है और बुजुर्ग भरोसा दिखाते हैं। यह गायब था। लोग आज अपने भविष्य के लिए फैसला ले रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में यहां भाजपा एक बार फिर बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा मां-बेटी के जिंदा जलने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। कानपुर देहात के मड़ौली गांव में अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान मां-बेटी के जिंदा जलकर मौत का मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। इसे लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में लेटर पिटिशन दाखिल की गई है। चीफ जस्टिस को भेजी गई लेटर पिटीशन में घटना की सीबीआई जांच की मांग या मामले की ज्यूडिशियल इंक्वायरी का आदेश दिए जाने की मांग की गई है। हाईकोर्ट से जांच की मॉनिटरिंग किए जाने की भी अपील की गई है। घटना में शामिल सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की भी मांग की गई है। पीड़ित परिवार को हुए नुकसान का उचित मुआवजा दिये जाने की भी मांग की गई है।

राजशेखर व आलोक कुमार करेंगे जांच

वहीं मामले की जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी ने दो सदस्यीय एसआईटी गठित कर दी है। ये टीम अपनी रिपोर्ट एक हफ्ते में देगी। मंडलायुक्त राजशेखर व एडीजी आलोक कुमार इसके सदस्य होंगे। दोनों अधिकारी सारे तथ्यों की जांच करेंगे।

कौन था बुलडोजर चालक को आदेश देने वाला?

कानपुर। कानपुर देहात के मड़ौली गांव में सरकारी जमीन पर बनी कृष्ण गोपाल की झोपड़ी गिराने का आदेश बुलडोजर चालक को देने वाला कौन था। यह भले ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच अब तक पहेली बना है, लेकिन मौके पर मौजूद गांव वाले उसके बारे में जानते हैं। झोपड़ी गिराने का आदेश देने वाला यह शख्स एक प्रशासनिक अफसर का खास सरकारी कर्मचारी बताया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जांच होगी तो पूरी घटना का जिम्मेदार खुद ब खुद सामने आ जाएगा। मड़ौली गांव में कृष्ण गोपाल की सरकारी जमीन पर बनी झोपड़ी और अन्य कब्जे हटाने के लिए सोमवार को निलंबित एसडीएम ज्ञानेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में राजस्व व पुलिस की टीम गई थी। टीम के टारगेट में सरकारी जमीन पर बनी कृष्ण गोपाल की झोपड़ी को गिराना था।

बीबीसी दफ्तर में आयकर विभाग का सर्वे तीसरे दिन भी जारी

» दो रातों से घर नहीं गए 10 कर्मचारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के बीबीसी दफ्तर पर आयकर विभाग का सर्वे-तीसरे दिन भी जारी है। बीबीसी के वित्त और संपादकीय विभाग मिलाकर लगभग 10 वरिष्ठ कर्मचारियों को दो रातों से घर नहीं जाने दिया गया है। कुछ और कर्मचारियों के फोन क्लोन किए गए हैं। बीबीसी ने एक बार फिर अपने कर्मचारियों से जांच में सहयोग करने को कहा है। जिन कर्मचारियों के कंप्यूटर जांचे जा चुके हैं, उन्हें घर से काम करने को कहा गया है।

गुरुवार को हिंदू सेना के प्रदर्शन के बाद आज बीबीसी दफ्तर के बाहर आईटीबीपी को तैनात किया गया है। आयकर विभाग ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन के दिल्ली और मुंबई ऑफिस पर 2012 से लेकर अब तक के खाते खंगाल रही है, हालांकि आईटी की टीम बीबीसी के ब्रॉडकास्ट ऑपरेशन में दखल नहीं दे रही है, बीबीसी ने कर्मचारियों से आयकर विभाग को मदद करने की अपील की है,

इंटरनेशनल टैक्स में गड़बड़ी की शिकायतों को लेकर आयकर विभाग ये सर्वे कर रहा है। मंगलवार और बुधवार के बाद गुरुवार को भी आयकर विभाग बीबीसी की अकाउंट्स डिटेल्स चेक कर रहा है।

बेरहम और अमानवीय हो गई है सरकार : शिवपाल

उप्र में कानून व्यवस्था पूरी तरह से फेल

» सरकार ने अधिकारियों के ऊपर पूरे प्रदेश को छोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। गाजीपुर में शिवपाल यादव ने कहा कि भाजपा राज में अन्याय और अत्याचार चरम सीमा पर है। कानपुर देहात की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से बेरहम और अमानवीय हो गया है। उत्पीड़न की घटनाओं की बाढ़ सी आ गई है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। शिवपाल यादव प्रदेश सरकार पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि यूपी में लोकतंत्र नहीं है। यहां बुलडोजर तंत्र चल रहा है।

ग्राम समाज की जमीन से कब्जा हटाने पहुंची पुलिस और प्रशासनिक अफसरों की आंख के सामने मां बेटी जलकर खाक हो गई। इसके लिए पूरी तरह से प्रदेश सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाने में सरकार पूरी तरह से विफल साबित हुई है। प्रदेश का विकास पूरी तरह से ठप है। भाजपा सरकार केवल फर्जी आंकड़े बाजी कर रही है। भाजपा सरकार का बुलडोजर सिर्फ विपक्ष पर चल रहा है। वह विपक्षियों के खिलाफ बदले की भावना से कार्य कर रही है। अब्बास अंसारी की पत्नी निखत की गिरफ्तारी के सवाल पर शिवपाल यादव ने कहा कि जेल के अंदर परिवार के लोगों को मिलने नहीं दिया जा रहा है। यह सरकार पूरी तरह से तानाशाही पर उतर आई है।

2024 में प्रदेश में सपा अधिक से अधिक सीटें जीतेगी

उन्होंने कहा कि आगामी 2024 के चुनाव में प्रदेश में समाजवादी पार्टी अधिक से अधिक सीटें जीतेगी और केंद्र की सत्ता में बदलाव होगा। जनता महंगाई से पूरी तरह से त्रस्त है ऐसे में वह परिवर्तन के मूड में आ चुकी है। शिवपाल यादव सपा के पूर्व प्रदेश सचिव और इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष एसपी पांडेय की बेटी व प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष यादव की बहन की शादी में शामिल होने आए थे।

प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि कानपुर में मां-बेटी के जिंदा जलने की घटना सरकार की मंशा को जाहिर करती है। कानपुर की घटना पूरी तरह से मानवता को शर्मसार करने वाली है। मृत महिलाओं का जहां पोस्टमार्टम नहीं हो पाया वहीं घटना के बाद भी इनके नेता लखनऊ के ताज होटल में जश्न मना रहे थे। ऐसे लोग समाजवादी सरकार में सैफई का जिक्र करते हैं। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने अधिकारियों के ऊपर पूरे प्रदेश को छोड़ दिया है, जो गरीब जनता को लूटने का कार्य कर रहे हैं। कानपुर में गरीब ब्राह्मण परिवार को आवास तो नहीं दे पाए लेकिन उसकी झोपड़ी पर बुलडोजर चला कर और आग लगाकर अपनी मंशा जरूर जाहिर कर दिया। शिवपाल यादव यहां लगभग एक घंटा रुकने के बाद गाजीपुर रवाना हो गए।

भाजपा सरकार ब्राह्मणों का हितैषी होने का ढोंग रच रही : मनोज पांडेय

बोले-प्रशासन कानपुर देहात की घटना को दबाने की कर रहा कोशिश

लखनऊ। सपा विधायक मनोज पांडेय ने कहा है कि भाजपा सरकार खुद को ब्राह्मणों का हितैषी होने का ढोंग रच रही है। कानपुर देहात की घटना निंदनीय है। प्रशासन मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है। विधायक अमिताभ बाजपेई को जबरन रोका गया। उन्हें नजरबंद किया गया। भाजपा सरकार के कार्यकाल में दलितों, पिछड़ों के साथ अब ब्राह्मणों का भी उत्पीड़न बढ़ता जा रहा है। अहम सवाल यह है कि सरकार के इशारे पर हमें और हमारे विधायक को पीड़ित परिवार से

मिलने क्यों नहीं दिया जा रहा है? सरकार को किस बात का डर है? मुख्य सचेतक ने आरोप लगाया कि प्रदेश में पुलिस द्वारा लगातार जनता से दुर्व्यवहार हो रहा है। कानून में सरकारी जमीन पर घर बनाने वाले की सुनवाई का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि कहां से चल रहा है ये बुलडोजर? उन्होंने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर निशाना साधते हुए कहा कि फोन और समाचार पत्रों में संवेदना व्यक्त करने से कुछ नहीं होगा। सरकार पांच पांच करोड़ के दो चेक और दो नौकरियों के कागजात लेकर पहुंचे।

2024 में मोदी सरकार को उखाड़ फेंकना है : दीपंकर

» बिहार में भाकपा माले की रैली में बोले- भाजपा-संघ फैला रही है नफरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भाजपा अगर चुनाव के लिए हर समय तैयार रहती है तो वामपंथी दलों को भी रहना होगा। विपक्षी एकता के लिए वामपंथी दलों की कार्ययोजना इस तरह तैयार करनी होगी कि आगामी चुनाव में देश से नरेंद्र मोदी सरकार को उखाड़ फेंका जा सके। ये बातें पटना में हुए एक रैली में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कही।

उन्होंने कहा कि बिहार गरीबों का प्रदेश है और लोकतंत्र की जरूरत गरीबों को ही पड़ती है। ऐसे में बिहार की राजधानी पटना में जुटी यह भीड़ पूरे देश को संदेश दे रही है कि संविधान पर हमला करने वाली और नफरत की राजनीति करने वाली ताकतों के खिलाफ आवाज उठ चुकी है। दीपंकर ने कहा कि रैली के बाद 16 से 20 जनवरी तक पटना में पार्टी का महाधिवेशन होगा, जिसमें विपक्षी और वामपंथी एकता के लिए बात कर कार्ययोजना तैयार की जाएगी। देश को विभाजनकारी ताकतों से बचाने के लिए

यह वक्त की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को देश की सत्ता में बनाए रखने के लिए कॉरपोरेटों ने पहले पानी की तरह पैसा बहाया और फिर बदले में भाजपा एक के बाद एक नीतिगत बदलाव कर देश की कीमती प्राकृतिक संसाधनों सहित सार्वजनिक क्षेत्रों को उनके हवाले करती गई। भाजपा-संघ शासन के समूचे तंत्र व संस्थाओं पर अपनी मजबूत पकड़ बना चुका है। इस जकड़न से फासीवादी प्रवृत्ति लगातार बढ़ती ही जा रही है।

ऐसे फासीवाद को रोकना लोकतंत्र व देशभक्त नागरिकों की साझा चिंता का सबब बन गया है। बिहार की सत्ता से भाजपा की बेदखली एक स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन भाजपा-संघ जैसी ताकतों को राज-समाज दोनों जगह से बेदखल करना होगा।

अखिलेश-ओवैसी पर केस दर्ज करने की मांग कोर्ट में खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। ज्ञानवापी के वजूखाने में गंदगी करने और प्रकरण में नेताओं की भड़काऊ बयानबाजी को लेकर मुकदमा कायम करने की मांग को एसीजेएम प्रथम की कोर्ट ने खारिज कर दिया है। मामले में सपा प्रमुख अखिलेश यादव, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी, शहर मौलवी व काजी समेत कई लोगों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई थी।

इस बाबत सिविल कोर्ट के एडवोकेट हरिशंकर पांडेय ने सीजेएम कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। आरोप लगाया था कि इन नेताओं ने अमर्यादित एवं गैर कानूनी कथनों पर बयान देकर हिंदू समाज के प्रति घृणा फैलाने का आपराधिक कृत्य किया है। अदालत ने बहस सुनने के पश्चात आदेश सुरक्षित करते हुए 14 फरवरी की तिथि मुकर्रर की थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि तीनों नेताओं के कथन के संबंध में यह कहना पर्याप्त है कि कानून व्यवस्था का प्राथमिक उत्तरदायित्व राज्य एवं उनकी एजेंसियों का है। वाद में जिन भी घटनाओं एवं कथनों का उल्लेख किया गया है, उनके घटने या फिर न घटने के संबंध में वादी को ही जानकारी हो ऐसा भी नहीं हो सकता है। ऐसी परिस्थिति में कोई संज्ञेय अपराध कारित होना दर्शित नही होता है। ऐसे में आवेदन निरस्त किया जाता है।

हाईकोर्ट ने सलमान खुर्शीद पर दर्ज एफआईआर की रद

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व विदेश और कानून मंत्री सलमान खुर्शीद के अपने बयान 'रिश्ते में हम तुम्हारे बाप लगते हैं,' के बयान मामले में राहत दी है। कोर्ट ने मामले में उनके द्वारा खेद जताने पर उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने बयान पर खेद व्यक्त किया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि उसका इरादा कभी भी सीएम योगी आदित्यनाथ या किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। उसने पत्रकारों द्वारा पूछे गए कुछ सवालों का जवाब देते हुए इसे केवल हल्के-फुल्के अंदाज में कहा था। लिहाजा, आक्षेपित कार्यवाही को रद्द कर किया जाता है। यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह ने सलमान खुर्शीद की ओर से थाना फर्रुखाबाद कोतवाली, फतेहगढ़ में दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री सलमान खुर्शीद ने यह बयान लोकसभा चुनाव 2019 में सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ दिया था।

श्रीरामचरितमानस पर स्वामी प्रसाद की बयानबाजी के डायरेक्टर अखिलेश : केशव

» जनता देख रही भाजपा की सरकार आने का फर्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। मानस तन-मन। मानस जीवन। मानस से संसार। मानस को जो समझ न पाए उसका जीवन बेकार। यह टिप्पणी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने की। सर्किट हाउस में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने कहा कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य श्रीरामचरितमानस या सनातनी व्यवस्था को लेकर जो भी बयानबाजी कर रहे हैं उसके डायरेक्टर सपा मुखिया अखिलेश यादव हैं।

एक समय था ये सभी रोजा इफ्तार तक सीमित थे। वर्ष 2014 में भाजपा की सरकार आने का फर्क जनता देख रही है। कहा कि विपक्षी दल का कोई नेता खुद को श्रीकृष्ण का वंशज करार दे रहा है तो कोई रुद्राक्ष की माला पहनकर घूम रहा है। कुछ हनुमान मंदिर का चक्कर लगा रहे हैं तो कोई भगवान शिव का जलाभिषेक कर रहे हैं।

विस्फोट से लेकर टीपू तक की दक्षिण में एंट्री

भाजपा ने कहा- तमिलनाडु में सुरक्षित नहीं हैं लोग

» 2024 चुनाव के लिए कुछ भी करेंगे नेता जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तमिलनाडु। 2024 चुनाव के लिए भाजपा ने दक्षिणी राज्यों पर फोकस करना शुरू कर दिया है। जहां वह तमिलनाडु में राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर वहां की द्रमुक सरकार को घेरने की रणनीति पर काम रही है वहीं कर्नाटक में टीपू सुल्तान को लेकर कांग्रेस को पटखनी देने की कोशिश में लगी है।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने द्रमुक सरकार पर जमकर निशाना साधना शुरू कर दिया है। भाजपा ने 1998 में कोयंबटूर बम धमाकों में जान गंवाने वालों को मंगलवार को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने आरोप लगाया है कि द्रमुक सरकार बनने के बाद तमिलनाडु में अपराध बढ़ गए हैं। द्रमुक सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के. अन्नामलाई ने राज्य में लोग सुरक्षित नहीं हैं। यहां 1998 के सिलसिलेवार विस्फोटों के पीड़ितों को पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में जुटे लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि 2021 में द्रमुक के सत्ता में आने के बाद अपराध दर में वृद्धि हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि द्रमुक के नेतृत्व वाली सरकार लोगों, उनकी संपत्तियों और जीवन की रक्षा करने में विफल रही है।

उल्लेखनीय है 14 फरवरी, 1998 को शहर में हुए सिलसिलेवार धमाकों में 50 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य में सोमवार को एक ही दिन में नौ लोगों की हत्या कर दी गई, जिसमें तीन लोग कोयंबटूर के हैं। यह बिगड़ती कानून व्यवस्था और पुलिस विभाग को स्वतंत्र रूप से काम नहीं करने देने का स्पष्ट संकेत है। अन्नामलाई ने कहा कि भाजपा विस्फोट पीड़ितों के लिए एक स्मारक बनाने के लिए सरकार से अपील नहीं करेगी, क्योंकि उसने हमारी मांग को अनसुना कर दिया है। हालांकि, इस घटना के 25 साल बीत चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जब तमिलनाडु की में सत्ता में आएगी तो एक स्मारक बनाएगी।

24 लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इसके अलावा, भाजपा सिलसिलेवार विस्फोटों में घायल हुए लोगों को पेंशन देने के लिए कदम उठाएगी, जिससे उनकी रोजी-रोटी प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों में तमिलनाडु से कम से कम 24 लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य बना रही है।

कर्नाटक में कांग्रेस पर साधा निशाना

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कटील ने एक और बयान देकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में यह चुनाव टीपू सुल्तान बनाम सावरकर के बारे में है। उन्होंने कहा, राज्य में यह चुनाव कांग्रेस बनाम भाजपा नहीं, बल्कि सावरकर और टीपू की विचारधाराओं के बीच लड़ा जाएगा। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि हम भगवान राम और हनुमान के भक्त हैं। हम टीपू के वंशज नहीं हैं, हमने उनके वंशजों को वापस भेज दिया है। तो मैं येलबुर्गा के लोगों से पूछता हूं, क्या आप हनुमान की पूजा करते हैं या टीपू के भजन गाते हैं? टीपू के भजन गाने वालों को भगाओगे?तो सोचिए कि इस राज्य को टीपू के वंशज चाहिए या भगवान राम और हनुमान के भक्तों के? मैं हनुमान की भूमि पर चुनौती देता हूं - टीपू से प्यार करने वाले यहां न रहें, जो लोग भगवान राम के भजन गाते हैं और भगवान हनुमान को मनाते हैं, उन्हें यहां रहना चाहिए। इससे पहले कटील ने एक भाषण के दौरान विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि चुनाव को विकास बनाम लव जिहाद के नाम पर लड़ना चाहिए। उनके इस बयान को लेकर काफी हंगामा हुआ था। कटील के बयान के बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस टीपू सुल्तान की नीतियों पर राजनीति कर रही है। हम नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार की नीतियों पर राजनीति कर रहे हैं। उनमें बहुत बड़ा अंतर है। नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार मतलब विकास।

आप की नजर उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव पर

» 69 जिलों में जिला प्रभारी बनाए

» सभी 763 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप देश के सबसे बड़े सूबे में अपनी धमक दिखाने को आतुर है। धीरे-धीरे ही सही वह अपनी पैठ पूरे देश में बढ़ाती जा रही है। इसी के मद्देनजर आप ने उत्तर प्रदेश के 69 जिलों में जिला प्रभारियों को नियुक्त किया। दिल्ली नगर निगम चुनाव में भारी जीत के बाद आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश का निकाय चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। इसके लिए आप ने काम भी करना शुरू कर दिया है।

आप ने यूपी निकाय चुनाव में सभी 763 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है। इससे पहले 11 फरवरी को नगर निकाय चुनाव को लेकर आप राज्यसभा सांसद संजय सिंह और संदीप पाठक ने समीक्षा बैठक की। इस दौरान आप नेताओं ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने इस देश को एक सकारात्मक राजनीति दी है। ऐसी राजनीति, जिसमें शिक्षा का स्वास्थ्य जैसी चीजें हैं, आप सांसद संदीप पाठक ने कहा कि इस देश में दो तरह की राजनीति होती है, एक सकारात्मक राजनीति और नकारात्मक राजनीति होती है। आप ने समय-समय पर वार्ड स्तर पर बैठक करने का भी निर्णय लिया है। लखनऊ नगर निगम का कार्यकाल 20 जनवरी 2023 से समाप्त हो गया, इसके साथ ही लखनऊ महापौर संयुक्ता भाटिया का कार्यकाल भी खत्म हो गया और उसकी जगह अब तीन सदस्यों की समिति अब प्रशासकीय कामकाज संभाल रही हैं। लखनऊ नगर निगम के अलावा कानपुर नगर निगम, वाराणसी नगर निगम, गोरखपुर नगर निगम, झांसी नगर निगम आदि का कार्यकाल भी खत्म हो चुका है, अगले नगर निकाय चुनाव होने तक उन्हीं के पास इसका अधिकार रहेगा।

जनवरी में 17 नगर निगम, 200 नगरपालिका और 545 नगर पंचायतों में चुनाव होना था, हालांकि ओबीसी आरक्षण के रैपिड टेस्ट फार्मूले को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने खारिज कर दिया,योगी आदित्यनाथ सरकार को ओबीसी आयोग गठित कर ट्रिपल टेस्ट के आधार पर ओबीसी आरक्षण तय करने का निर्देश दिया। यूपी सरकार ने पांच सदस्यीय आयोग गठित कर दिया है, जो मंडलवार आरक्षण की प्रक्रिया तय करने में जुटा है, इसमें तीन माह का वक्त लग सकता है।

सीएम ने पीएमओ पर दिखाई दरियादिली

दिल्ली में सेंट्रल विस्टा के अधीन बन रहे प्रधानमंत्री के नए आवास का रास्ता अब साफ हो गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरफ से मामले में हरी झंडी मिलने के बाद अब राष्ट्र को नया प्रधानमंत्री आवास जल्द मिलने की राह आसान हो गई है। यह एक्जीक्यूटिव एंक्लेव दिल्ली के अतिसुरक्षित लुटियन्स जोन में आने वाले साउथ ब्लॉक के दक्षिण दिशा में प्लॉट नंबर 36/38 पर बन रहा है। गौरतलब है कि सेंट्रल विस्टा समेत प्राइम मिनिस्टर्स एंक्लेव का निर्माण कर रही केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने दिल्ली सरकार से इसके लिए 173 पड़ों को निर्माणाधीन साइट से प्रत्यारोपित करने की अनुमति मांगी थी। दिल्ली सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस मामले में समय से कार्रवाई की जिसकी वजह से परियोजना को गति देने में मदद मिली है। केजरीवाल सरकार ने इस परियोजना को इस शर्त पर मंजूरी दी है कि निर्माण कर रही एजेंसी को प्रत्यारोपित किए जा रहे पेड़ों के बदले 10 गुना ज्यादा पेड़ लगाने पड़ेंगे। प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री कार्यालय, कैबिनेट सचिवालय, इंडिया हाउस और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय इस एक्जीक्यूटिव एंक्लेव का हिस्सा होंगे जिनके निर्माण का अनुमानित खर्च 1,189 करोड़ रुपये है। इंडिया हाउस में कॉन्फ्रेंस की सुविधा होगी जैसे अभी हैदराबाद हाउस में है। जिस तरह से अभी हैदराबाद हाउस में विदेशों से आने वाले उच्चस्तरीय नेताओं की देश के नेताओं के साथ बैठक होती है वैसी ही सुविधा इंडिया हाउस में होगी।

दिल्ली को और मजबूती देने में जुटे केजरीवाल

उधर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने राजधानी में शासन व्यवस्था में नये-नये प्रयोग के जरिये संवारने का बीड़ा उठाया है। इसी सिसिले में जेलों में मोबाइल सिग्नल को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है, सीएम केजरीवाल ने दुनिया में मौजूद सबसे बेहतर जैमर तकनीक का अध्ययन कर उसके इस्तेमाल की दिशा में आगे बढ़ने के लिए कमेटी गठन को मंजूरी दे दी। डीजी जेल की अध्यक्षता में जिस कमेटी के गठन को मंजूरी दी गई। उसमें आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर, आईआईएमसी बंगलूरू प्रोफेसर, डीआरडीओ के वैज्ञानिक, सी डॉट के कर्मचारी, आईबी और एसपीजी के अधिकारी शामिल होंगे। यह कमेटी दिल्ली सरकार को जेलों में 5 जी समेत संपूर्ण जैमर व्यवस्था लागू करने की तकनीक सुझाएगी। दिल्ली कारागार विभाग ने पिछले ढाई महीने में जेलों के अंदर से 340 से अधिक मोबाइल फोन बरामद हुए थे। महानिदेशक (जेल) संजय बेनिवाल ने बताया कि जेल अधिकारियों ने ढाई महीने में 348 मोबाइल फोन बरामद किए। जेल अधिकारियों ने जेल नंबर तीन में छापा मारा और 18 मोबाइल फोन और चार्जर जब्त किए, पिछले दो महीनों में, जेल अधिकारियों ने 348 मोबाइल फोन जब्त किए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मानवता का भी रखे ख्याल

अतिक्रमण विरोधी अभियान दिल्ली-एनसीआर समेत देश के किसी न किसी हिस्से में आये दिन चलते ही रहते हैं, जिससे कभी नियम-कानून तो कभी मानवता और कभी-कभी तो दोनों तार-तार होते दिखाई-सुनाई पड़ते हैं। दुख इस बात का होता है सालों से जो लोग वहां रहे उनकी भावनाओं का ध्यान नहीं रखा जाता है। गुस्सा भी आती है इतने दिनों से अगर सरकारी जमीनों पर कब्जा करके कोई निमार्ण होता जा रहा था तो जिम्मेदार आंखे क्यों मूंदे हुए थे। अतिक्रमण मामले में देखने को मिलता है कि ज्यादातर अवैध निर्माण भ्रष्टाचार की वजह से बढ़ते है। अधिकारी रिश्वत लेकर मामले की अनदेखी करते हैं। मामला तब नजर में आता है जब कोई बड़ी घटना घट जाती है या न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई होती है। नीति नियंताओं को चाहिए कि ऐसी व्यवस्था करे कि ऐसी घटनाएं दुबारा न होने पाएं।

“ अतिक्रमण मामले में देखने को मिलता है कि ज्यादातर अवैध निर्माण भ्रष्टाचार की वजह से बढ़ते है। अधिकारी रिश्वत लेकर मामले की अनदेखी करते हैं। मामला तब नजर में आता है जब कोई बड़ी घटना घट जाती है या न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई होती है। नीति नियंताओं को चाहिए कि ऐसी व्यवस्था करे कि ऐसी घटनाएं दुबारा न होने पाएं।

अतिक्रमण को ताजा मामला दिल्ली के सराय माली खां को रहा जहां एक रैन बसेरे को भी ध्वस्त किया गया जबकि वह सरकार द्वारा ही निर्मित करवाया गया था। इससे पहले दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा महरौली में चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान उन मकानों को भी तोड़ डाला गया, जिसकी रजिस्ट्री उनके भूस्वामियों या फ्लैट मालिकों के पास मौजूद है। बिजली, पानी, गैस के बिल के साथ-साथ सभी वैध पहचान पत्र भी उनके पास हैं। अपने आशियाना को बचाने के लिए जब वो सरकार के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन करते हुए दिखाई दिए, तो उनके वेश-भूषा से प्रतीत हो रहा था कि सभी लोग निम्न मध्यम वर्गीय या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं। फिर भी उन्हें इस प्रशासनिक अनहोनी का सामना करना पड़ा। अब वो लोग घर से ऐसे बेघर कर दिए गए जैसे कि यहां के निवासी ही नहीं हों और उनके प्रति शासन-प्रशासन का कोई नैतिक दायित्व भी नहीं बनता है। ऐसे अतिक्रमण हटाओ अभियान कभी नियम-कानून तो कभी मानवता और कभी-कभी तो दोनों तार-तार होते दिखाई-सुनाई पड़ते हैं। ऐसे अतिक्रमण विरोधी अभियानों के शिकार प्रायः सभी लोग भारतीय होते हैं, लेकिन इनके खिलाफ भारतीय अधिकारियों का व्यवहार गैर-जिम्मेदाराना दिखाई देता और सुनाई पड़ता है। सवाल है कि आखिर यह सब कब तक चलता रहेगा। उससे भी बड़ा सवाल यह कि आखिरकार ऐसे अतिक्रमण विरोधी अभियान ब्रेक के बाद क्यों चलाये जाते हैं, क्यों नहीं पूरे देश में एक साथ चलाये जाते हैं। वहीं, जिन अतिक्रमणों से सरकारी अधिकारी जानबूझकर मुंह फेर लेते हैं, उनके खिलाफ अतिक्रमण विरोधी अभियान कौन चलाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भूकंप के विनाशकारी होने की वजह

मुकुल व्यास

तुर्की और सीरिया में 6 फरवरी को आया भूकंप अत्यंत विनाशकारी साबित हुआ है। वजह यह है कि यह क्षेत्र कई टेक्टोनिक प्लेटों के बीच की सीमा पर स्थित है। जगह की मिट्टी और इमारतों की संरचना बड़े भूकंपों को और अधिक भयावह बना देती है और तुर्की में भी यही हुआ। भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा 36000 को पार कर चुका है। हजारों लोग हताहत और बेघर हुए हैं। मलबे में दबे लोगों को निकाले जाने के बाद मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। 7.8 तीव्रता के इस भूकंप का मुख्य केंद्र दक्षिण तुर्की में नूरदागी शहर के निकट था। भूकंप के बाद आए शक्तिशाली झटकों अथवा आफ्टर शॉक्स ने विनाश में इजाफा किया है।

तुर्की शक्तिशाली भूकंपों के लिए कोई अजनबी नहीं है क्योंकि यह टेक्टोनिक प्लेटों की सीमाओं के साथ स्थित है। पिछले 25 वर्षों में देश में 7.0 या उससे अधिक तीव्रता वाले सात भूकंप आ चुके हैं। जापान में 2011 के तोहोकू भूकंप के बाद यह सबसे भयावह भूकंप साबित हुआ है। तोहोकु भूकंप ने सुनामी को जन्म दिया, जिससे लगभग 20,000 लोग मारे गए थे और परमाणु आपदा उत्पन्न हुई। पिछली शताब्दी में यह तुर्की का तीसरा सबसे घातक भूकंप है। वर्ष 1999 के इजमिट भूकंप में 17,000 और 1939 के एर्जनिकन भूकंप में लगभग 33,000 लोगों की जानें गई थीं। उत्तर-पश्चिमी तुर्की में 2016 की गर्मियों में एक भूकंप आया था जो 50 दिन तक चला। रिक्टर स्केल पर इसकी ताकत 5.8 आंकी गई थी। विनाशकारी भूकंप उस समय उत्पन्न होते हैं जब जमीन के नीचे फाल्ट लाइन अथवा सक्रिय दरार पर विपरीत दिशाओं में खिसकने वाली दो टेक्टोनिक प्लेटें मिल जाती हैं और अचानक फिसल जाती हैं। इस प्रक्रिया में सारी ऊर्जा एकदम बाहर आती है। ध्यान रहे कि भौगोलिक शब्दावली में पृथ्वी के बाहरी कवच को लिथोस्फीयर कहते हैं। लिथोस्फीयर में पपड़ी और ठोस चट्टानें शामिल होती हैं। लिथोस्फीयर के नीचे एस्थेनोस्फीयर (पृथ्वी के मैंटल की ऊपरी परत) होता है जो एक तरल पदार्थ की तरह प्रवाहित होता है।

पृथ्वी का लिथोस्फीयर टेक्टोनिक प्लेटों में बंटा हुआ है। ये प्लेटें दरअसल अनियमित आकार की विशाल ठोस चट्टानें हैं। अनुमान है कि एक प्लेट 113 किलोमीटर चौड़ी होती है। पृथ्वी में महाद्वीपों और समुद्रों के नीचे सात बड़ी प्लेटें और कई छोटी प्लेटें हैं। ये प्लेटें एस्थेनोस्फीयर के ऊपर तैरती रहती हैं। दक्षिण-पूर्व तुर्की और उत्तर पश्चिमी सीरिया खतरनाक भूकंपीय

गतिविधि की वजह से हमेशा खतरे में रहते हैं क्योंकि ये अफ्रीकी, एनातोलियन और अरेबियन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित हैं। इन विशाल शिला खंडों में टकराव और उनमें रगड़ से भूकंपन होता है। ताजा भूकंप 'ईस्ट एनातोलियन फॉल्ट' से आया है जहां अरेबियन और एनातोलियन प्लेटें आपस में जकड़ी हुई हैं। कई दशकों तक विपरीत दिशाओं में धीरे-धीरे आगे बढ़ने के बाद, दो प्लेटों के बीच इतना तनाव जमा हो गया था कि उनका संपर्क बिंदु 'स्ट्राइक स्लिप' से अलग हो गया। इस दरार के साथ-साथ लगभग 160 किलोमीटर एक तरफ से दूसरी तरफ पृथ्वी खिसक गई। स्ट्राइक स्लिप में दो शिला खंड समानांतर रूप से आगे बढ़ते हैं। इस रगड़ के फलस्वरूप उत्पन्न तनाव भूकंपीय तरंगों के रूप में प्रकट होता है। कुछ वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि इस क्षेत्र में फाल्ट लाइन पर तनाव सदियों से बन रहा होगा। जीपीएस से पता चलता है कि पूर्व एनाटोलियन फाल्ट पर शिला खंड प्रति वर्ष एक-दूसरे के सापेक्ष लगभग 15 मिलीमीटर आगे बढ़ रहे हैं। यह हलचल फाल्ट के ऊपर की पपड़ी को फैलाती है। पूर्व एनातोलियन फॉल्ट बहुत घनी आबादी वाले क्षेत्र के नीचे है। छह फरवरी को आया भूकंप उथला था। उसका केंद्र पृथ्वी की सतह से सिर्फ 18 किलोमीटर नीचे था। इसका मतलब यह है कि भूकंप की तरंगों की ऊर्जा लोगों के घरों को हिलने से पहले कम नहीं हुई थीं। क्षेत्र की नरम मिट्टी ने कंपन को और तीव्र कर दिया। भूकंप से तबाही के अन्य कारणों में रिहायशी इमारतों की कमजोर संरचना शामिल है। अधिकांश इमारतें भूकंपरोधी नहीं थीं। इस क्षेत्र की इमारतों को भूकंप का सामना करने के लिए डिजाइन नहीं किया गया था। इस पैमाने के भूकंप से दुनिया में कहीं भी नुकसान हो सकता है, लेकिन इस क्षेत्र में कई संरचनाएं विशेष रूप से कमजोर हैं।

वर्ष 1999 के इजमिट भूकंप के बाद देश में भवन निर्माण के लिए कड़े नियम लागू किए गए थे। इन नियमों द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि तुर्की के आधुनिक निर्माण भूकंप को झेल सकें लेकिन गरीब बस्तियों और घनी आबादी वाले इलाकों में कई इमारतें नए नियमों के लागू होने से पहले ही बन चुकी थीं। भूकंप के झटकों से कुछ इमारतों की ऊपरी मंजिलें सीधे निचली मंजिलों पर गिरीं, जिससे अंदर फंसे लोगों को बचाना मुश्किल हो गया। वैसे इस हादसे ने स्थानीय प्रशासन की घनघोर लापरवाही को भी उजागर किया है।

उपचार ही मर्ज बन गया है असम में

असम राज्य की एक सरकारी रिपोर्ट कहती है कि साल 2022 में राज्य में कुल गर्भवती हुई 6,20,867 लाख महिलाओं में से 17 फीसदी यानी करीब 1,04,264 कम उम्र की थीं। इनमें सबसे अधिक धुबरी, फिर नगांव और बारपेटा के मामले हैं। राज्य सरकार ने जमीनी स्वास्थ्य कार्यकर्ता अस्पताल आदि के साथ घर-घर के आंकड़े एकत्र किए। अब बीते सात सालों के दौरान जो भी 18 साल से कम उम्र के विवाह हुए, उनमें दूल्हे, उनके घर वाले, विवाह करवाने वाले मौलवी-पंडित को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

पंकज चतुर्वेदी

असम के धुबरी जिले में फरवरी-23 के पहले सप्ताह के आंकड़ों के अनुसार 2510 ऐसी महिलाएं गर्भवती हैं, जिनकी आयु 18 साल से कम है। इस जिले में बाल-विवाह रोकने के लिए अभी तक 374 मामले दर्ज किए गए हैं। यहां 200 से अधिक पुरुषों को पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है, अर्थात किसी नाबालिग के साथ यौन अपराध करने के आरोप में। असम राज्य की एक सरकारी रिपोर्ट कहती है कि साल 2022 में राज्य में कुल गर्भवती हुई 6,20,867 लाख महिलाओं में से 17 फीसदी यानी करीब 1,04,264 कम उम्र की थीं। इनमें सबसे अधिक धुबरी, फिर नगांव और बारपेटा के मामले हैं। राज्य सरकार ने जमीनी स्वास्थ्य कार्यकर्ता अस्पताल आदि के साथ घर-घर के आंकड़े एकत्र किए। अब बीते सात सालों के दौरान जो भी 18 साल से कम उम्र के विवाह हुए, उनमें दूल्हे, उनके घर वाले, विवाह करवाने वाले मौलवी-पंडित को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। इस व्यापक अभियान में अभी तक करीब 4200 मुकदमे दर्ज हुए हैं और 2300 की गिरफ्तारी हुई है।

अल्पसंख्यकों को निशाने पर लेने के आरोपों के विपरीत बाल-विवाह के मामलों में गिरफ्तार लोगों में करीब एक हजार हिन्दू भी हैं। निःसंदेह कम उम्र में मां बनने से जच्चा-बच्चा स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ता है और यह देश के लिए नुकसानदेह है। 'नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे' की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में बाल-विवाह की राष्ट्रीय औसत दर करीब 23.3 फीसदी है। शासकीय आंकड़े कहते हैं कि पश्चिम बंगाल में 42 फीसदी, बिहार में 40 फीसदी, त्रिपुरा में 39 फीसदी, झारखंड में 35 फीसदी, आंध्र प्रदेश में 33 फीसदी, असम में 32 फीसदी, तेलंगाना में 27 फीसदी, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 25-25 फीसदी लड़कियों की शादियां कानूनी उम्र से पहले की जा रही हैं। इस कुरीति को दूर करने के लिए सामाजिक जागरूकता, शिक्षा आदि महत्वपूर्ण यंत्र रहे हैं। भारत में लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु को 1978 में 18 साल कर दिया गया। इससे कम उम्र की बच्ची के विवाह पर दो साल की कैद और एक लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है। विदित हो कि पॉक्सो कानून के तहत शारीरिक संबंध बनाने के लिए 18 साल की उम्र तय की गई है। असम सरकार बाल-विवाह निवारण के लिए अब इसी कानून का इस्तेमाल कर रही है। असम के कई जिलों में इस समय अफरा-तफरी का माहौल है। कई जगह काम-धंधे बंद हैं। अफवाह, अधूरी सूचनाओं व निचले स्तर के कर्मचारियों की मनमानी आदि से स्थिति तनावपूर्ण है। यदि सरकार बीते सात साल के ऐसे सभी मामलों में गिरफ्तारी और मुकदमे दर्ज करती है तो एक लाख से अधिक लोग जेल जाएंगे, हजारों मुकदमों का बोझ अदालत और आम लोगों पर पड़ेगा। खबर है कि पुलिस के खौफ से धुबरी जिले से लगे मानकाचर में पिता के घर रहने वाली 27 साल की विधवा महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

वह शादी के वक्त नाबालिग थी। उसके दो बच्चे हैं और पति की मौत दो साल पहले कोविड से हो गई थी। उसे भय था कि अब उसके एकमात्र सहारा पिताजी को भी पुलिस गिरफ्तार न कर ले। जिन घरों में कमाने वाला एकमात्र मर्द ही जेल में है, वहां अलग किस्म की परेशानियां खड़ी हो रही हैं। राज्य के विदेशी नागरिक बंदी गृह ग्वालपाड़ा को अस्थाई जेल में बदल दिया गया और अब वहां कई सौ लोग कैद हैं। इतने सारे लोगों को जेल में रखना, उनके भोजन आदि की व्यवस्था करना भी राज्य सरकार पर आर्थिक बोझ डाल रहा है। असल में असम में एक सही उद्देश्य की पूर्ति के लिए गलत तरीके का इस्तेमाल होने से विवाद है। गौरतलब है कि असम की साक्षरता दर 72.19 और महिला साक्षरता दर 66.27 फीसदी है जो कि कम नहीं है। इसके बावजूद यहां बाल-विवाह का आंकड़ा 32 प्रतिशत होना दर्शाता है कि इसके मूल में सामाजिक-आर्थिक कारण हैं।

गौर करना होगा कि यह राज्य हर साल बाढ़ में बहुत कुछ गंवाता है। लगातार भूमि कटाव से खेती लायक जमीन कम हो रही है और लोगों के जमीन को लेकर विवाद भी बढ़ रहे हैं। यहां विभिन्न पड़ोसी राज्यों और अलगाववादियों के कारण अशांति भी रहती है। राज्य में अलग-अलग संस्थागत शासन व्यवस्था है, जिनमें छह जिलों को स्वायत्त परिषदों द्वारा प्रशासित किया जाता है, जिसने राज्य में समस्या को और बढ़ा दिया। ये सभी हालात राज्य के आम लोगों के जीवन को सामाजिक और आर्थिक, दोनों तरह से प्रभावित करते हैं और बाल-विवाह इसका बड़ा परिणाम है।

जेल भेजना, मुकदमे चलाना आदि तात्कालिक भय पैदा करने के माध्यम तो हो सकते हैं लेकिन यह तय है कि सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन का रास्ता शिक्षा और जागरूकता से ही निकलता है। आज जो असम में हो रहा है वह अराजकता को उपजा रहा है।

महाशिवरात्रि पर बनाएं अमरूद की ठंडाई

महाशिवरात्रि इस साल 18 फरवरी को मनाई जाएगी। इस अवसर पर अमरूद की ठंडाई बनाकर पी जा सकती है। अमरूद गुणों से भरपूर फल है और ये पेट की गर्मी खत्म करने में भी मदद करता है। व्रत के दौरान अगर पेट की गर्मी बढ़ जाए तो अमरूद की ठंडाई इसे दूर करने में काफी मददगार साबित हो सकती है। महाशिवरात्रि के मौके पर कई तरह की ठंडाई प्रयोग की जाती है। शिवभक्तों को ठंडाई का प्रसाद भी बांटा जाता है। अमरूद की ठंडाई न सिर्फ स्वादिष्ट रहती है बल्कि सेहत के लिहाज से भी ये काफी फायदेमंद होती है। ऐसे में आप चाहें तो इस बार अमरूद की ठंडाई की रेसिपी को ट्राई कर सकते हैं। अमरूद की ठंडाई जितनी टेस्टी होती है, इसे बनाना उतना ही आसान भी होता है। इसे बनाने के लिए आप ड्राई फरूट्स का भी यूज कर सकते हैं। अगर अब तक आपने कभी अमरूद की ठंडाई नहीं बनाई है तो हमारी बताई रेसिपी की मदद से आप बेहद आसानी से इसे तैयार कर सकते हैं।

बनाने की विधि

अमरूद की ठंडाई बनाने के लिए अमरूद से पहले जूस निकाल लें। इसके बाद एक कड़ाही को मीडियम आंच पर गर्म करें और इसमें बादाम डालकर भून लें। बादाम जब रोस्ट हो जाए तो उसे एक बाउल में निकालकर रख दें। इसी तरह काजू और पिस्ता को भी थोड़ा-थोड़ा भून लें। ड्राई फ्रूट्स रोस्ट होने के बाद कड़ाही में सौंफ डालें और उसे भी हल्का सा भूनें और फिर निकाल लें। अब मिक्सर जार में काजू, बादाम, पिस्ता, सौंफ, खरबूज बीज और काली मिर्च को डालकर सभी को अच्छी तरह से ग्राइंड कर लें। अब इस मिश्रण को एक बड़े कटोरे में निकाल लें और ऊपर से इलायची पाउडर डालकर चम्मच की मदद से मिला लें। आप चाहें तो इलायची पाउडर की जगह साबुत इलायची को अन्य सामग्रियों के साथ पीस सकते हैं। इसके बाद एक जग में आधा गिलास दूध और आधा गिलास अमरूद का जूस मिलाएं। इसके बाद दूध में 2 चम्मच तैयार मिश्रण को डालकर मिक्स कर दें। इसके बाद बड़े चम्मच की मदद से इसे अच्छी तरह घोंट लें। इसके बाद ठंडाई को अच्छा कलर देने के लिए फूड कलर मिक्स कर दें। अब ठंडाई को सर्विंग गिलास में डालें और ऊपर से तीन-चार आइस क्यूब्स डालकर सर्व करें। इसी तरह बची सामग्री से भी ठंडाई तैयार करें।

ठंडाई बनाने के लिए सामग्री

दूध	1 गिलास
अमरूद जूस	1/2 गिलास
बादाम	1/2 कप
पिस्ता	1/4 कप
काजू	1/4 कप
खरबूज बीज	1 टेबलस्पून (वैकल्पिक)
इलायची पाउडर	2 टी स्पून
काली मिर्च	1 टी स्पून
सौंफ	1 टी स्पून
फूड कलर	जरूरत के मुताबिक (वैकल्पिक)
आइस क्यूब्स	5-6

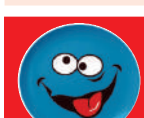

हंसना मना है

अब वो दिन दूर नहीं जब पति-पत्नी के बीच डिजिटल लड़ाई कुछ इस तरह होगी बीवी- ना जाने कौन-सी घड़ी में मैंने तुम्हारी Friend request accept की थी। पति- पत्थर पड़ गये थे मेरी अक्ल पे जो तुम्हारी DP को Nice Pic कहा था। बीवी: मेरी अक्ल पे भी परदा पड़ा था जो तुम्हारी Pic पे Handsome Look का comment किया था । पति- अच्छा होता तुम्हें उसी वक्त unfriend कर देता... बीवी: मैंने भी उसी वक्त तुम्हें Block किया होता तो आज ये दिन ना देखना पड़ता ।

टीचर: इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू: बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर: पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू: इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो...

Offline रहता हूं तो सिर्फ दाल, रोटी, नौकरी एवं परिवार की ही चिंता रहती है, Online होते ही धर्म, समाज, राजनीति, देश, विश्व और पूरे ब्रह्माण्ड की चिंताए, होने लगती है आम भारतीय नागरिक।

ये वो दौर है जनाब जहां इंसान गिर जाये तो हँसी निकल जाती है और मोबाईल गिर जाये तो, जान निकल जाती है।

कहानी | लालची व्यक्ति

घी के दो व्यापारियों की दुकानें एक-दूसरे के बराबर में थीं। एक दिन उनमें से एक ने दूसरे से 500 स्वर्ण मोहरें उधार लेने की सोची और अपना कर्ज बिना किसी परेशानी के चुकाने को कहा। लेकिन जब कर्ज वापिस करने का समय आया तो उसने ऐसा करने से मना कर दिया। उसने यह भी स्वीकार करने से मना कर दिया कि उसने उससे रुपये उधार लिए हैं। वह व्यापारी जिसने धन उधार दिया था वह न्याय के लिए बादशाह के पास गया। बीरबल को हमेशा की तरह न्याय करने को कहा। बीरबल ने दोनों को बुलवाया और दोनों की कहानी सुनी। बीरबल ने दोनों से दस दिन का समय मांगा और दोनों व्यापारियों को घर भेज दिया। समस्या पर गहन विचार के बाद बीरबल ने तेल के 10 टिन मंगवाए। हर टिन में 10 किलो तेल था और उनमें से दो में बीरबल ने सोने के सिक्के डाल दिए। तब उसने 10 टिन अलग-अलग 10 व्यापारियों को दिए और उनकी कीमत पता करने को कहा। उन्हें वे टिन घर ले जाने और तीन दिन बाद वापिस आने को कहा। बीरबल ने सोने के सिक्के वाले दोनों बर्तन घी व्यापारियों को दे दिये। वह व्यापारी जिसने धन उधार दिया था वह ईमानदार था और उसने सोने का सिक्का लौटा दिया। लेकिन उसके बेईमान पड़ोसी को सिक्का मिला तो उसने उसे अपने बेटे को दे दिया। निश्चित दिन पर सभी 10 व्यापारी तेल लेकर बीरबल के पास आये और उन्हें मूल्य के बारे में बताया। बीरबल ने उस व्यापारी के टिन को ध्यान से देखा जो अपना कर्ज नहीं चुकाना चाहता था और यह भी देखा कि सिक्का गायब होने के साथ उसमें से कुछ तेल भी कम था। जब बीरबल ने इस बारे में पूछा, तो व्यापारी ने जवाब दिया कि जब मैंने इसे परखने के लिए गरम किया होगा यह तब कम हो गया होगा। बीरबल बोले, अच्छा यह बात है, चलो मैं देखता हूं। मैं अभी वापिस आता हूं। ऐसा कहकर, वह अन्दर गया और अपने एक नौकर को उस व्यापारी के घर जाकर उसके पुत्र से सिक्का लाने को कहा। बहुत जल्द वह लड़का सोने के सिक्के के साथ दरबार में आ गया और तुरन्त उससे बीरबल ने पूछा, क्या तुम वे पांचों सिक्के लेकर आये हो जो तुम्हारे पिता को तेल में मिले थे? तभी उत्तर आया, मालिक, तेल में केवल एक सिक्का था, पांच नहीं। बीरबल ने तब व्यापारी से कहा, जब तुम एक सिक्के के लिए बेइमानी कर सकते हो जो मैंने तेल के डिब्बे में डाला था व इसके साथ तुमने उसमें से कुछ तेल भी निकाल लिया और गरम करने के कारण तेल कम होने का बहाना बना दिया तब तुम 500 सोने के सिक्कों के लिए सच क्यों बोलोगे जो तुमने पड़ोसी से उधार लिए थे। अब तुम्हारे पास कहने को क्या है? अब व्यापारी को बचाव का कोई तरीका नजर नहीं आया तो उसने सभी तेल व्यापारियों के सामने अपनी गलती मान ली। **इस कहानी से मिलने वाली शिक्षा:** सच कभी भी परदे के पीछे नहीं रह सकता। बेइमानी देर सवेर सामने आ ही जाती है। इज्जत एक बार जाने के बाद दोबारा पाना मुश्किल हो जाता है।

7 अंतर खोजें

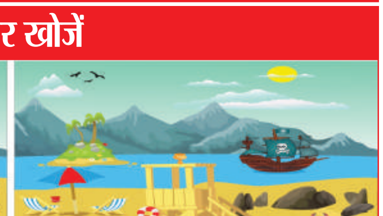

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन बेहतरीन रहेगा। परिवारिक सामंजस्य बना रहेगा। आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आप अपने बचपन के दोस्त के साथ किसी लंबे टूर पर जा सकते हैं।

तुला

आज का दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। परिवार वालों के साथ शॉपिंग पर भी जा सकते है। आपके मन में नए-नए विचार आएंगे, कारोबार में काफी फायदा होगा।

वृषभ

सामाजिक समारोह में शामिल होने में आपको मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि परिस्थिति आपके वश से बाहर होने की संभावना है।

वृश्चिक

आज के दिन आपकी योजनाओं में आखिरी पल में बदलाव हो सकते हैं। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

मिथुन

आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी और आपकी इनकम में थोड़ी कमी हो सकती है लेकिन कोर्ट कचहरी के मामलों में आपको सफलता मिलेगी।

धनु

आपके लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। कार्यों में आंशिक तौर पर सफलता मिलेगी। आप काफी उत्साहित होंगे और अधिक परिश्रम करेंगे।

कर्क

आज का दिन बेहतरीन रहेगा। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे।

मकर

आज का दिन बेहतरीन रहेगा। लॉ के स्टूडेंट्स के लिए दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। कॉलेज से मिले प्रोजेक्ट को आज सीनियर्स की मदद से पूरा करेंगे।

सिंह

आज आपका तनाव दूर होगा। आपके काम में आ रही रूकावटें दूर होंगी। विपरीत लिंगीय व्यक्ति के प्रति आकर्षण आपके लिए संकट खड़ा कर सकता है।

कुम्भ

आज किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। एक ही दिशा में की गई मेहनत से बेहतर परिणाम मिल सकेंगे।

कन्या

आपके लिए आज का दिन काफी बढ़िया रहेगा। भाग्य की प्रबलता के कारण आपको कई प्रकार से धन लाभ होगा। परिवार के बुजुर्गों की सलाह काम आएगी।

मीन

आपके लिए आज का दिन किसी यात्रा की ओर इशारा कर रहा है। यह यात्रा आपके व्यापार को बढ़ाने वाली साबित होगी। आपको धन लाभ भी मिलेगा। आज का दिन अच्छा बीतेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

शाहरुख खान को सरेआम मिली धमकी

शाहरुख खान के लिए लोगों की दीवानगी किसी को बताने की जरूर नहीं है। फिलहाल वह अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म पठान के लिए खूब प्यार बटोर रहे हैं। ऐसे में किंग खान अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए इन दिनों खूब सोशल मीडिया पर ऑनलाइन रहने लगते हैं। इस दौरान आस्क एसआरके सेशन में वह फैंस के कई सवालों के जवाब भी देते हुए नजर आते हैं। इसी दौरान अब एक्टर को एक फैन ने ही सरेआम धमकी दे डाली है। आस्क एसआरके के सेशन में एक फैन ने लिखा, सर, अगर इस बार रिप्लाई नहीं मिला ना तो आपको फैन पार्ट 2 बनाने की जरूरत पड़ जाएगी। अपने चाहने वाले इस ट्वीट को रीट्वीट करते हुए शाहरुख ने लिखा, मैं वैसे भी फैन 2 नहीं बनाऊंगा। कर ले जो करना है। इसके साथ किंग खान ने हा हा लिखकर यह भी बता दिया कि वह मजाक कर रहे हैं। अब शाहरुख का ये ट्वीट तेजी से वायरल होने लगा है। गौरतलब है फैन शाहरुख खान की 2018 में रिलीज हुई फिल्म थी। इस फिल्म शाहरुख डबल रोल में दिखे थे। एक रोल उन्होंने सुपरस्टार आर्यन खन्ना का निभाया था और दूसरे में वह आर्यन के फैन गौरव चंदना की भूमिका में नजर आए। गौरव को आर्यन का क्रेजी फैन दिखाया गया था, जो किसी कारण अपने ही सबसे पसंदीदा एक्टर से इतना नाराज हो जाता है कि उसका दुश्मन बन जाता है। बता दें कि शाहरुख खान दुनियाभर में अपनी फिल्मों को लेकर को लेकर तो खूब चर्चा में रहते ही हैं, साथ वह अपने जबरदस्त जवाबों के लिए भी जाने जाते हैं। शाहरुख के जवाब किसी की भी बोलती बंद कर देते हैं। खासतौर पर आस्क एसआरके सेशन में उनके ऐसे-ऐसे जवाब देखने को मिलते हैं कि कोई भी सोच में पड़ जाता है कि अब इस पर क्या रिप्लाई दिया जाए।

सनी देओल की गदर 2 का मोशन पोस्टर हुआ रिलीज

प्यार में डूबे दिखे तारा सिंह और सकीना

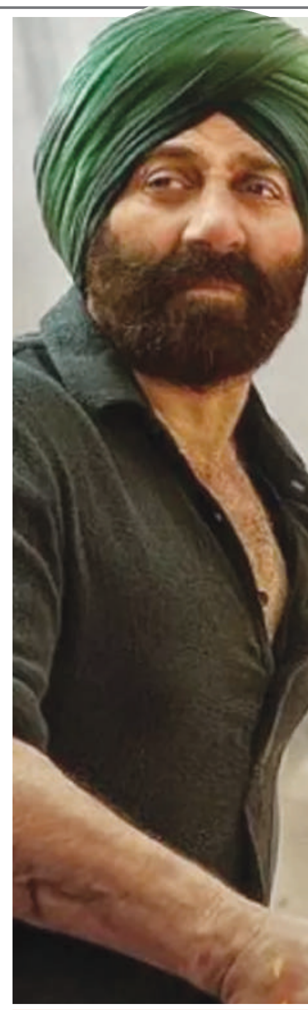

सनी देओल ने 22 साल पहले गदर के तारा सिंह के रूप में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अब एक बार फिर से सनी और अमीषा पटेल तारा-सकीना बनकर दिलों पर छा जाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। जल्द ही गदर 2 दर्शकों के बीच हाजिर होगी। इससे पहले फिल्म के लिए उत्सुकता बढ़ाते हुए फिल्म का मोशन पोस्टर जारी कर दिया गया है, जिसमें तारा और सकीना एक-दूजे में डूबे नजर आ रहे हैं।

गदर 2 के मोशन पोस्टर में अमीषा ऑरेंज कलर के सूट में और तारा सिंह उर्फ सनी देओल रेड कलर का कुर्ता और सिर पर पगड़ी बांधे हुए एक दूसरे को प्यार से निहारते दिख रहे हैं। बैकग्राउंड में पिछली फिल्म का सुपरहिट गाना उड़ जा काले कांवा सुनाई दे रहा है। अब दर्शकों इनकी कैमस्ट्री के फिर से दीवाने हो गए हैं। इस पोस्टर को जी स्टूडियो ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए फिल्म की रिलीज डेट भी बताई है।

बता दें कि गदर 2 में एक बार फिर से तारा सिंह का वही परिवार देखने को मिलेगा। फिल्म में उनके बेटे का किरदार

पिछली बार की तरह इस बार भी उत्कर्ष शर्मा ही निभा रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, गदर 2 में तारा सिंह के बेटे जीते को देश की सेवा करते हुए फौजी के रोल में देखा जाएगा, जो एक जंग के दौरान पाकिस्तान में फंस जाएगी। इसी कारण फिर से तारा सिंह पाकिस्तान में गदर मचाते दिखेंगे।

गौरतलब है कि अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी गदर 2 के लिए दर्शकों में एक अलग ही बेसब्री बनी हुई है। कुछ समय पहले ही फिल्म का पोस्टर जारी किया था, जिसमें सनी देओल हाथ में एक बड़ा सा हथौड़ा थामे काफी गुस्से में नजर आ रहे थे। बता दें कि गदर 2 इसी साल यानी 11 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

भारत के नक्शे पर चलकर बुरे फंसे अक्षय

अक्षय कुमार इस समय अपनी अगली फिल्म सेल्फी का खूब जोरों-शोरों से प्रमोशन कर रहे हैं। फिल्म को लेकर काफी उत्सुकता बनी हुई है। इस फिल्म में अक्षय के साथ पहली बार इमरान हाशमी भी पर्दे पर नजर आने वाले हैं हालांकि, इसी बीच मेकर्स से कुछ ऐसी गलती हो गई कि अक्षय मुसीबतों में फंसे नजर आ रहे हैं। अब एक्टर के खिलाफ गृह मंत्रालय में शिकायत भी कर दी गई है।

अक्षय कुमार के खिलाफ गृह मंत्रालय में शिकायत

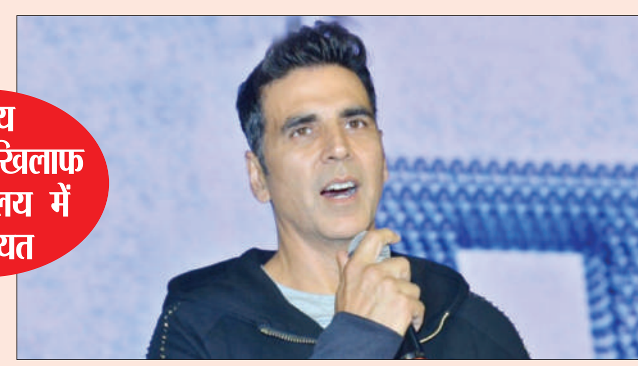

दरअसल, अक्षय पर भारत के नक्शे का अपमान करने का आरोप लगाया गया है कुछ दिन पहले ही एक्टर का एक वीडियो सामने आया था, जिसे उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर भी पोस्ट किया है।

इस वीडियो में अक्षय ग्लोब पर चलते हुए दिख रहे हैं। इसमें वह किसी इंटरनेशनल एयरलाइन्स का प्रमोशन करते हुए दिख रहे हैं, लेकिन ग्लोब पर एक्टर का पैर जिस जगह पर पड़ा, वहां भारत का नक्शा था। अब भारत के नक्शे पर पैर रखने के कारण ही अक्षय पर लोग भड़क पड़े हैं। लोगों का गुस्सा इतना बढ़ गया है कि उनके खिलाफ शिकायत तक कर दी गई है। वकील वीरेंद्र पंजाबी ने लोगों की भावनाएं आहत करने करने के लिए जिले के एसपी और गृह मंत्रालय में भी शिकायत की है।

बता दें कि इस वीडियो में अक्षय कुमार के साथ दिशा पाटनी, नोरा फतेही, मौनी रॉय और मशहूर पंजाबी एक्टर सोनम बाजवा भी नजर आ रही हैं।

अजब-गजब | पहले यहां सिर्फ रहा करते थे आपराधिक प्रवृत्ति के लोग

इस आइलैंड पर राज करती हैं महिलाएं

हमारा समाज अनंत काल से पुरुष प्रधान रहा है. इसीलिए शुरुआत से महिलाओं को घर की जिम्मेदारी संभालने लायक ही समझा जाता है। वहीं पूरे परिवार की जिम्मेदारी पुरुष के कंधों पर होती है। यही कारण भी है कि समाज में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की आबादी भी काफी कम है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां महिलाओं का राज चलता है। यही नहीं यहां पुरुषों को किसी महिला की तरह ही समझा जाता है। दुनिया का ये एक मात्र ऐसा स्थान है जहां पूरी तरह से महिलाएं ही रूल करती हैं। ये जानकार आपको हैरानी जरूरी होगी लेकिन बात बिल्कुल सच है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं यूरोपीय देश एस्टोनिया की। जहां एक अनोखा आइलैंड है जहां 90 फीसदी से ज्यादा आबादी महिलाओं की है।

सिर्फ यही नहीं, इस आइलैंड में अधिकतर महिलाएं रहती हैं जो पूरे द्वीप की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। एस्टोनिया के किहु आइलैंड का नाम यूनेस्को के इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज ऑफ ह्यूमैनिटी की लिस्ट में शामिल है। ये जगह महिलाओं के आइलैंड के नाम से फेमस है। तो चलिए आज जानते हैं इस आइलैंड के बारे कुछ खास बातें। एस्टोनिया के किहु आइलैंड की आबादी सिर्फ 300 लोगों की ही है। इसमें से भी ज्यादातर महिलाएं हैं। जानकारी के मुताबिक किहु आइलैंड पर रहने वाले पुरुष एस्टोनिया में नौकरी करने चले जाते हैं।

इसलिए आइलैंड पर सिर्फ महिलाएं ही रह जाती हैं और इस पूरे आइलैंड की जिम्मेदारी इन महिलाओं के कंधे पर है। महिलाएं त्योहारों को धूम-धाम से मनाती हैं, नाचती हैं, गाती हैं और शिल्पकारी कर के पैसे कमाती हैं। इतना ही नहीं ये महिलाएं ही लोगों की शादी से लेकर अंतिम संस्कार तक करवाती हैं। कहा जाता है कि पहले इस आइलैंड पर क्रिमिनल और देश निकाला की सजा भुगत रहे लोग ही रहा करते थे। बाद में करीब 50 सालों तक आइलैंड पर सोवियत संघ ने कब्जा कर रखा था। इसके बाद से यहां महिलाओं का वर्चस्व हो गया। तब से इस आइलैंड को ज्यादातर महिलाएं ही चला रही हैं। लेकिन बदलते दौर के साथ अब यहां लड़के-लड़कियां आइलैंड से बाहर जाकर पढ़ाई या नौकरी करना चाहते हैं, जिसकी वजह से धीरे-धीरे यहां की मातृसत्ता वाली परंपरा अब खत्म होती जा रही है।

यहां मौजूद है सास-बहू का मंदिर, नाम ही नहीं इसकी कहानी भी है थोड़ी सी अलग

राजस्थान के उदयपुर शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर एक अत्यंत कलात्मक और ऐतिहासिक मंदिर है, जिसे सास बहू मंदिर के नाम से जाना जाता है। हालांकि इस मंदिर का असली नाम सहस्रबाहु मंदिर है। लेकिन लोग इसे सास बहू मंदिर के नाम से ही जानते हैं। इस मंदिर का निर्माण ग्यारहवीं सदी की शुरुआत में किया गया था। ये मंदिर विकसित शैली और बेहतरीन अलंकरण के लिए जाना जाता है। मंदिर का परिसर 32 मीटर लंबा और 22 मीटर चौड़ा है। इस मंदिर का निर्माण कच्छवाहा वंश के शासक महिपाल ने करवाया था। महिपाल भगवान विष्णु का भक्त था। कहा जाता है कि उसने ये मंदिर अपनी पत्नी और बहू के लिए बनवाया। इसलिए इस मंदिर का नाम सास बहू का मंदिर रखा गया। इस मंदिर का निर्माण ऊंचे जगत पर किया गया। इसमें प्रवेश के लिए पूर्व में मकरतोरण द्वार है। वहीं मंदिर पंचायतन शैली में बनाया गया है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ देवताओं का कुल बसता है। हर मंदिर में पंचरथ गर्भगृह, खूबसूरत रंग मंडप बनाए गए हैं। सास बहू यानी सहस्रबाहु मंदिर मूल रूप से भगवान विष्णु को समर्पित है। इसके अलावा मंदिर परिसर में दूसरा प्रमुख मंदिर भगवान शिव का है। इन मंदिरों में ब्रह्मा, विष्णु, शिव, राम, कृष्ण, बलराम सभी विराजते हैं। मंदिर के प्रवेश द्वार पर मां सरस्वती की मूर्ति लगाई गई है। मंदिर की दीवारों पर अंदर और बाहर खजुराहो के मंदिरों की तरह असंख्य मूर्तियां बनाई गई है। इन मूर्तियों में कई कामशास्त्र से भी जुड़ी हुई हैं। इस मंदिर की कला को देखकर यहां आने वाले पर्यटक घंटों देखते रहते हैं। बता दें कि सास बहू मंदिर ने कई हमले भी हुए। जिसके चलते मंदिर का काफी हिस्सा टूट गया। इस मंदिर में सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक दर्शन किए जा सकते हैं। इस मंदिर में अब पूजा नहीं होती। सैकड़ों की संख्या में हर दिन विदेशी सैलानी भी इस मंदिर की वास्तुकला को निहारने के लिए पहुंचते हैं।

लोकसभा में पीएम पर की गई टिप्पणी सौ फीसदी सही : राहुल

» भाजपा सदस्यों के नोटिस पर लोकसभा सचिवालय को दिया विस्तृत जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपनी टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों के नोटिस पर लोकसभा सचिवालय को विस्तृत जवाब सौंपा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सात फरवरी को प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी की थी।

राहुल को 10 फरवरी को लिखे पत्र में लोकसभा सचिवालय ने उनसे भाजपा सांसदों निशिकांत दुबे और प्रह्लाद जोशी द्वारा उनके खिलाफ दिये गये विशेषाधिकार हनन नोटिस पर अपना जवाब 15 फरवरी तक लोकसभा अध्यक्ष के विचार के लिए प्रस्तुत करने को कहा था। भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी के सात फरवरी के भाषण पर नोटिस जारी किया था जिसमें उन्होंने हिंडनबर्ग-अडाणी मुद्दे पर टिप्पणियां की थीं। सूत्रों ने कहा कि गांधी ने लोकसभा में की गई अपनी टिप्पणी को सही ठहराते हुए विभिन्न कानूनों और पूर्व के उदाहरणों का हवाला देते हुए कई पन्नों में विस्तृत जवाब दिया है। सोमवार को अपने लोकसभा क्षेत्र वायनाड में एक सभा को संबोधित करते हुए, राहुल ने सदन में चर्चा के दौरान दिए गए अपने भाषण से कई टिप्पणियों को हटाने के फैसले की आलोचना की थी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा था कि उन्होंने संसद की कार्यवाही से हटाई गई उनकी प्रत्येक टिप्पणी के बारे में लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में जानकारी दी है तथा सबूत दिये हैं। दुबे और संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को दिये अपने नोटिस में आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणी निराधार थी और उन्होंने असंसदीय और अपमानजनक आरोप लगाए।

ओडिशा में बीजेपी के नेता प्रतिपक्ष का दिखा कुसंस्कार

भुवनेश्वर। ओडिशा में एक भाजपा नेता द्वारा महिला पुलिसकर्मी को कथिततौर पर धक्का देने का मामला सामने आया है। नेता प्रतिपक्ष जयनारायण मिश्रा ने संबलपुर में भाजपा के विरोध प्रदर्शन के दौरान एक महिला पुलिस अधिकारी को कथित तौर पर धक्का देकर विवाद खड़ा कर दिया। संबलपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मिश्रा ने हालांकि, आरोप को खारिज कर दिया। उन्होंने उल्टा धनुपाली थाने की प्रभारी अनीता प्रधान पर धक्का-मुक्की करने का आरोप लगाया। दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। घटना संबलपुर में जिला कलेक्टर के कार्यालय के सामने भाजपा के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई। कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को लेकर पार्टी राज्यव्यापी आंदोलन कर रही है, जिसके तहत यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था। प्रधान ने दावा किया कि जब भाजपा कार्यकर्ता परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे, तो उनका और मिश्रा का आमना-सामना हुआ, तब मिश्रा ने पूछा कि वह कौन हैं। प्रधान ने कहा, कि जब मैंने अपनी पहचान बताई, तो उन्होंने मुझ पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया और मुझे डकैत कहा, जब मैंने पूछा कि वह इस तरह के आरोप क्यों लगा रहे हैं, तो उन्होंने मुझे धक्का दे दिया। हालांकि, मिश्रा ने आरोप को खारिज करते हुए कहा कि वह यह सुनकर आगे आए थे कि पुलिस महिला कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने कहा, लेकिन पुलिस अधिकारी (प्रधान) ने मुझे बताया कि मैं पुलिस के खिलाफ बहुत बोल रहा हूं और मुझे धक्का दिया। लेकिन मैंने उन्हें धक्का नहीं दिया। चूंकि, पुलिस के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं, इसलिए उन्होंने साजिश रची... मैं उन्हें जानता भी नहीं हूं।

महिला पुलिसकर्मी को मारा धक्का, वीडियो वायरल

गृहमंत्री के वादे को याद दिलाने को पर्यावरणविद वांगचुक धरने पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लद्दाख के ईको सिस्टम को बचाने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए पर्यावरणविद सोनम वांगचुक की लड़ाई अब दिल्ली पहुंच गई है। उनकी अगुवाई में बुधवार को लद्दाख के कई संगठनों और वहां के लोगों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया।

वांगचुक ने कहा कि वह भाजपा के आभारी हैं कि उसने लद्दाख को यूटी का दर्जा दिया, लेकिन गृहमंत्री अमित शाह ने 2019 में लद्दाख के लोगों से संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने का वादा किया था, वह अभी तक पूरा नहीं किया। सरकार ने लद्दाख को कोट तो दिया, लेकिन बटन अब तक नहीं मिली है। सोनम वांगचुक के साथ लेह-कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस फ्रंट के तमाम नेता, दिल्ली में पढ़ाई करने वाले लद्दाख के छात्र यहां मौजूद थे। लद्दाख के पूर्व सांसद थुपस्तान छेवांग, कांग्रेस नेता असगर अली करबलाई, दिल्ली में लद्दाख के छात्रों की राजनीति करने वाले सज्जाद कारगिली जैसे दर्जन भर नेता मंच पर थे।

» लद्दाख के लोगों से संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने का किया था वादा

गाजियाबाद कचहरी में दोबारा तेंदुए की दस्तक, कोर्ट परिसर में दहशत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। गाजियाबाद कोर्ट में एक बार फिर तेंदुआ देखे जाने की खबर से पूरे परिसर में दहशत का माहौल है। पुरानी घटना की यादें लोगों के जेहन में धुंधली नहीं हुई हैं जिसके चलते दोबारा तेंदुआ आने की घटना से लोग ज्यादा ही सहम गए हैं और अफरा-तफरी का माहौल है।

इस बीच गुरुवार सुबह गाजियाबाद बार एसोसिएशन ने वकीलों व आम लोगों से कोर्ट परिसर खाली करने की अपील की है। बीती रात से कोर्ट परिसर में तेंदुआ देखे जाने की बात सामने आ रही है। यह खबर और तब फैली जब कोर्ट में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक जानवर के कैद होने की बात सामने आई।

इसे लेकर बीती रात से ही कचहरी में पुलिस बल, एंबुलेंस आदि तैनात हैं। हालांकि अब सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से अध्ययन करने के बाद यह कहा जा रहा है कि सीसीटीवी में कैद जानवर तेंदुआ तो नहीं है। अब यह पता लगाना है कि यह बिल्ली है या तेंदुए का बच्चा है।

तृप्ति नये रिकॉर्ड के साथ बनीं स्वर्ण विजेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि की फिजिकल एजुकेशन विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर तृप्ति सिंह ने बीएचयू में आयोजित पांचवे नेशनल मास्टर्स गेम्स की एथलेटिक्स प्रतियोगिता में दो स्वर्ण व दो रजत पदक अपने नाम किया। उन्होंने 100 मीटर बाधा दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया है।

बीएचयू आईआईटी ग्राउंडपर गत दिनों आयोजित मास्टर्स गेम्स 40 से 45 आयु वर्ग के सौ मीटर बाधा दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ गोल्ड पर कब्जा किया। उन्होंने 17.3 सेकेंड में यह दौड़ पूरी की। इससे पहले यह 20.5 सेकेंड का रिकॉर्ड था।

उप्र हॉकी को दोहरी सफलता

वहीं नेशनल मास्टर्स गेम्स हॉकी मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम ने शानदार खेल दिखाया और दोहरी सफलता हासिल की। पुरुषों व महिलाओं ने 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में यूपी की टीम चैंपियन बनीं। पुरुषों के मुकाबले में यूपी ने हरियाणा को मात दी जबकि महिलाओं के मैच में हिमाचल को पटखनी दी।

रफ्तार का कहर : 12 लोगों ने गंवाई जान

बांदा में बारातियों से भरी बोलेरो पलटने से पांच की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश में गुरुवार की सुबह भीषण सड़क हादसों की रही। महोबा, उन्नाव और बांदा में रफ्तार के कहर ने 12 जिंदगियों को एक झटके में अपना शिकार बना लिया। कहीं ओवरटेक करने में बोलेरो पलट गई तो कहीं कार ने बाइक में टक्कर मारकर पिता पुत्र को मौत हो गई। वहीं हादसों में तीस से अधिक लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पहला हादसा बांदा में हुआ। जहां तेज रफ्तार स्कार्पियो बोलेरो एक दूसरे को ओवरटेक करने भीषण टक्कर के बाद खंती में पलटी गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। करीब 6 से 7 लोग घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

महोबा में बारातियों को ले जा रहा वाहन अनियंत्रित होकर पलटा, तीन की मौत: यूपी के महोबा में बुधवार रात हुए एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। महोबा से अजनर बारात गई थी। रास्ते में बस खराब होने से दूसरे वाहनों से बारातियों को ले जाया जा रहा था। इन्हीं में से एक बोलेरो रास्ते में अनियंत्रित होकर पलट गेई। इसमें सवार करीब दस लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें सभी को एंबुलेंस से महोबा अस्पताल लाया गया। यहां दूल्हे के मौसा सहित तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

कौशांबी: बाइक सवार की महिला मौत

कौशांबी के करारी थाना क्षेत्र के एक दिन पूर्व पट्टी अब्दुल रऊफ के पास एक तेज रफ्तार से बाइक सवार युवक ने पैदल जा रही महिला को जोरदार टक्कर मार दिया था। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। जिसका इलाज प्रायगाराज के एसआरएन अस्पताल में चल रहा था। बीती रात को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। पुलिस शव को पोस्टमार्टम भेजकर जांच में जुट गई है।

उन्नाव : कार की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र की गई जान

उन्नाव शुक्लागंज मार्ग पर मगरवारा के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। दोनों तिलक समारोह से घर लौट रहे थे। पुलिस ने कार कब्जे में लेकर एक युवक को हिरासत में लिया है।

हसनगंज क्षेत्र के परोना गांव निवासी 65 वर्षीय चंद्र किशोर दीक्षित बुधवार देर रात 26 वर्षीय बेटे रामगोपाल के साथ सदर क्षेत्र के मगरवारा स्थित गेस्ट हाउस में एक तिलक समारोह में शामिल होकर बाइक से घर लौट रहे थे। गोकुल बाबा मंदिर के पास पीछे से तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। मौके पर ही पिता-पुत्र की मौत हो गई। पुलिस ने कार सवार एक युवक को हिरासत में लिया है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। पिता पुत्र की मौत पर स्वजन में कोहराम मच गया।

महोबा: ट्रक से टकरा कर बाइक सवार डिवाडर से भिड़ा, मौत

यूपी के महोबा में शादी समारोह से लौटा रहे युवक को पनवाड़ी थाना क्षेत्र में राठ सीमा के पास सामने से ट्रक ने टक्कर मार दी। युवक बाइक सहित उछल कर किनारे बने डिवाइडर से टकरा गया। गश्त पर निकली पनवाड़ी थाना पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल को राठ अस्पताल भेजा, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

यूपी बोर्ड परीक्षाएं शुरू, परीक्षार्थियों में दिखा जोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं बृहस्पतिवार से शुरू हो गईं। स्कूलों के बाहर सुबह से परीक्षार्थियों की भीड़ नजर आई। गेट पर लाइन लगाकर खड़े रहे। जांच के बाद उन्हें स्कूल में प्रवेश दिया गया। इसके लिए परीक्षा केंद्रों पर पुलिस जवानों के साथ केंद्र व्यवस्थापक, वाह्य केंद्र व्यवस्थापक ने मोर्चा संभाला। इससे पहले डीआईओएस कार्यालय में बने कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों का फाइनल ट्रायल कर लिया गया है।

प्रदेश में यूपी बोर्ड में 5884745 छात्र शामिल हो रहे हैं। इनमें हाईस्कूल के 3116457 छात्र और इंटर के 2769258 छात्र हैं। परीक्षा को नकलविहीन कराने के लिए जो इंतजाम गत वर्ष किए थे, वहीं सभी इंतजाम इस बार भी हैं। इस बार 8753 परीक्षा केंद्र बने हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र के प्रत्येक कक्ष में दो-दो सीसीटीवी कैमरे, वॉयस रिकॉर्डर, आउटर लगाए गए हैं। इनके माध्यम से परीक्षा की लाइव मॉनीटरिंग की जाएगी। परीक्षा के लिए सभी केंद्र पर स्थानीय व बाहरी दो-दो केंद्र व्यवस्थापक लगाए गए हैं। इतने ही स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 1390 सेक्टर मजिस्ट्रेट हैं। 455 जोनल मजिस्ट्रेट, 521 सचल दलों का गठन किया गया है। अगर पेपर लीक न हो, इसके लिए सभी तैयारी की गई है। अगर किसी ने जरा सभी हरकत की, तो रासुका लगाने से भी पीछे नहीं हटेंगे और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

58,84,745 छात्र शामिल, परीक्षा केंद्रों पर पुलिस जवानों के साथ व्यवस्थापकों ने संभाला मोर्चा

फोटोः सुमित कुमार

केंद्र के अंदर अनुचित सामग्री वर्जित

परीक्षा के दौरान किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र के अंदर पाठ्य सामग्री, मोबाइल फोन, पेजर, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर अथवा कोई भी इलेक्ट्रानिक डिवाइस ले जाने की अनुमति नहीं थी। जांच के बाद ही उन्हें प्रवेश दिया गया।

कंट्रोल रूम से पल-पल की निगरानी

डीआईओएस कार्यालय में बनाए गए कंट्रोल रूम में शिक्षकों एवं तकनीकी कर्मियों के साथ सभी परीक्षा केंद्रों का ट्रायल लिया गया। कंट्रोल रूम से परीक्षा शुरू होने से लेकर पेपर बंटने, उत्तर पुस्तिकाओं के संग्रह केंद्रों पर जमा होने तक की पल-पल निगरानी की जाएगी। इसकी सूचना बोर्ड मुख्यालय को भेजी जाएगी।

शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी ने छात्राओं का किया स्वागत

संभल। माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभारी गुलाब देवी यूपी बोर्ड परीक्षा के पहले दिन निरीक्षण के लिए संभल के चंदौसी के बीएमजी इंटर कॉलेज पहुंची। यहां उन्होंने छात्राओं को तिलक लगाकर और मीठा खिलाकर स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी ने कहा कि मैंने सबसे पहले अपने ही विद्यालय में निरीक्षण किया है। यही (बीएमजी इंटर कॉलेज) से मेरी शिक्षा-दीक्षा पूर्ण हुई है। पूरे प्रदेश में परीक्षा पारदर्शिता से हो, इसकी तैयारी पूरी की गई है।

स्कॉलरशिप फर्जीवाड़ा मामले में ईडी की यूपी में 20 ठिकानों पर छापेमारी

लखनऊ। उ   र प्रदेश में प्रवर्तन निदेशालय की टीम 20 जगहों पर छापेमारी कर कार्रवाई कर रही है। टीम शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा स्कॉलरशिप में फर्जीवाड़ा को लेकर जांच में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार, ईडी की लखनऊ और दिल्ली की टीमों ने यूपी में करीब 20 ठिकानों पर छापेमारी की है। शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा स्कॉलरशिप में फर्जीवाड़ा करने से जुड़ा मामला होने की सूचना है।

मंदिर में सिर्फ भगवा रंग की ही सजावट की इजाजत नहीं: कोर्ट

» दिया आदेश-प्रशासन व पुलिस तय नहीं कर सकते आयोजनों में कौन सा रंग इस्तेमाल होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को एक मंदिर और पुलिस प्रशासन में विवाद को लेकर बड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस इसे लेकर दबाव नहीं बना सकते कि मंदिर के किसी आयोजन में सिर्फ राजनीतिक रूप से तटस्थ रंगों का इस्तेमाल होगा।

दरअसल, केरल हाईकोर्ट में मेजर वेल्लायानी भद्रकाली देवी मंदिर के त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड ने प्रशासन के आदेश को चुनौती दी थी। प्रशासन ने मंदिर बोर्ड से कहा था कि कलीयूट्ट त्योहार के लिए सिर्फ भगवा रंग से

सजावट करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। इसी को लेकर दायर दो याचिकाओं पर हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने सुनवाई की। इन याचिकाओं पर कोर्ट ने कहा कि लोगों की पूजा-अर्चना, मंदिर में आयोजनों और समारोह में राजनीति की कोई भूमिका नहीं हो सकती। एक पूजा करने वाले या भक्त के पास कोई कानूनी अधिकार नहीं होता कि वह मंदिर को चलाने वाले बोर्ड पर भगवा रंग के इस्तेमाल के लिए दबाव बनाए। इसी तरह जिला प्रशासन और पुलिस भी मंदिर के आयोजनों में राजनीतिक रूप से तटस्थ रंगों के इस्तेमाल का दबाव नहीं बना सकती। मंदिर में कलीयूट्ट त्योहार में परंपरा और मान्यता के तहत कौन सा रंग इस्तेमाल होगा यह त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड का फैसला होगा। अगर ऐसी आशंका है कि मंदिर के परिसर या इसके आसपास कोई गलत घटना हो सकती है, जिससे कानून व्यवस्था बिगड़ सकती है तो मंदिर बोर्ड पुलिस को जानकारी दे सकता है और पुलिस-डीएम को ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने होंगे।

तुर्किये-सीरिया में 41 हजार से ज्यादा मौतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तुर्किये और सीरिया में भूकंप के 10 दिन बाद भी मौतों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। अब तक 41 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। तुर्की के अधिकारियों ने 35,418 और सीरियाई सरकार ने 5,800 से ज्यादा लोग मारे जाने की पुष्टि की है। दोनों देशों में अब भी राहत ओर बचाव कार्य जारी है। दोनों देशों में दुनियाभर से मदद भेजी जा रही है। इसी बीच तुर्किये की डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी ने बताया है कि बचाव कार्य को पूरा करने में 1 लाख से ज्यादा बचाव कर्मी हिस्सा लेंगे। इसमें अलग-अलग तरह के 5500 वाहनों का इस्तेमाल किया जाएगा। अब तक 95 देशों ने तुर्किये को मदद ऑफर की है।

तुर्किये और सीरिया में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी हैं। अब भी लोगों को मलबे के नीचे से निकाला जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि 8 से 9 दिन बाद भी कई लोग जिंदा मिल रहे हैं। तुर्किये के हताय प्रांत में 26 साल की महिला को 201 घंटे बाद बचाया गया। इधर, अदीयमन शहर में 199 घंटे बाद 18 साल के युवक को रेस्क्यू किया गया।

95 देशों ने अब तक की मदद

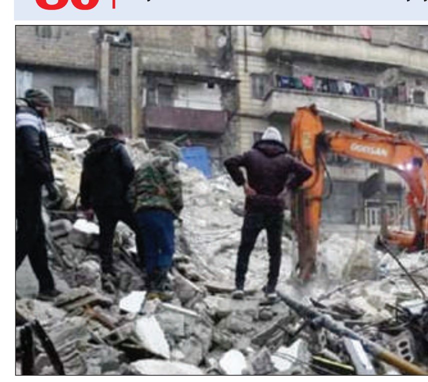

न्यूजीलैंड के बाद अब फिलीपींस में भूकंप

नई दिल्ली। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने गुरुवार (16 फरवरी) को मध्य फिलीपींस के मसबाते क्षेत्र में 6.1 तीव्रता के भूकंप की पुष्टी की। हालांकि भूकंप की वजह से सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और इसकी वजह से कोई नुकसान होने या किसी को कोई हानि पहुंचने की कोई खबर रिपोर्ट नहीं की गई। यूएसजीएस ने कहा कि भूकंप का केंद्र प्रांत के मु   य द्वीप मसबाते के उसोन नगर पालिका के मिआगा के नजदीकी गांव से 11 किलोमीटर (सात मील) दूर था। स्थानीय समय के मुताबिक दोपहर 2:00 बजे के बाद यहां बहुत ही श   तशाली भूकंप आया जिससे लोग जग गए।

सुल्तानपुर में दो मालगाड़ियों की भिड़ंत, पटरी से उतरे छह डिब्बे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर रेलवे स्टेशन से करीब दो सौ मीटर की दूरी पर गुरुवार सुबह दक्षिणी केबिन के पास दो मालगाड़ियों की आमने सामने ट   कर हो गई। हादसे में एक मालगाड़ी का ड्राइवर घायल हो गया। एक मालगाड़ी के छह डि   बे पटरी से उतर गए। लखनऊ-वाराणसी और अयोध्या-प्रयागराज रेलवे ट्रैक बाधित हो गया है। हादसे के बाद सटल अप डाउन कैंसिल कर दी गई है। बेगमपुरा का रूट बदल दिया गया है।

सुल्तानपुर लखनऊ रूट बंद है। 12237 (बेगमपुरा एक्सप्रेस) बदले मार्ग से चलाई जाएगी। कैंट स्टेशन निदेशक गौरव दीक्षित ने बताया कि बेगमपुरा एक्सप्रेस जौनपुर सिटी, सुल्तानपुर रूट के बजाय प्रतापगढ़, राय बरेली होते हुए रवाना होगी।

रेलवे अधिकारी मालगाड़ी के ड्राइवर से पूछताछ कर रहे हैं। साथ ही पटरियों का भी निरक्षण किया जा रहा है। हादसा ड्राइवर की गलती से हुआ या कुछ और कारण था इसका भी पता लगाया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वि   ीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।